ब्रोववम्मा तामसमेले

रागम्: माञ्जि ताळम्: मिश्र चापु

(श्री श्याम शास्त्रि विरचित)

पल्लवि

ब्रोववम्मा तामसमेले अम्ब
देवी ताळलेने बिरान

अनुपल्लवि

नीवे अनादरण जेसिते अम्ब
निर्वहिम्प वशमा कामाक्षि

चरणम्

जालमेल विनोदमा शिवशङ्करी इदि सम्मतमा
शुलिनी नीवे भक्तपरिपालिनि गदा बिरान ॥ १ ॥

दीनरक्षकि नीवेयनि नी दिव्यनाममे ध्यानमु
वेरे मन्त्रजपमु लेरुगने बिरान ॥ २ ॥

श्यामकृष्ण सहोदरि शुकश्यामळे त्रिपुरसुन्दरि अम्ब
ई महिलो नी समान दैवमु एन्दुगानलेने बिरान ॥ ३ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇